अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2022–23

कक्षा – नवम्
विषय : हिन्दी

निर्धारित समय : 3:15 घण्टे | पूर्णांक : 70

सामान्य निर्देश :

1. प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर खण्डों के क्रमानुसार ही करिए।
2. कृपया जांच लें प्रश्न पत्र में प्रश्नों की कुल संख्या 31 तथा मुद्रित पृष्ठों की संख्या 04 है। कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।
3. घण्टी का प्रथम संकेत प्रश्न पत्रों के वितरण एवं प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए है। 15 मिनट के पश्चात घण्टी के द्वितीय संकेत पर प्रश्न पत्र हल करना प्रारम्भ करिए।
4. प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित है। खण्ड–अ और खण्ड–ब। खण्ड–अ में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न दिये गये हैं। खण्ड–ब 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न दिये गये हैं।

खण्ड–अ

प्र.1 प्रताप पीयूष के निबन्धकार हैं– (1)

क. प्रताप नारायण मिश्र ख. हजारी प्रसाद द्विवेदी
ग. प्रेमचन्द्र घ. श्याम सुदर दास

प्र.2 'सेवा सदन' के उपन्यासकार हैं– (1)

क. प्रेमचन्द्र ख. महादेवी वर्मा
ग. श्रीराम शर्मा घ. धर्मवीर भारती

प्र.3 'प्रेमसागर' के लेखक हैं– (1)

क. लल्लू लाल ख. सदल मिश्र
ग. मथुरानाथ शुक्ल घ. राम प्रसाद निरंजनी

प्र.4 नींव की ईंट किस विधा की रचना है– (1)

क. कहानी ख. उपन्यास ग. नाटक घ. निबन्ध

प्र.5 'अनामदास का पोथा' किस विधा की रचना है– (1)

क. उपन्यास ख. कहानी ग. नाटक घ. निबन्ध

https://www.upboardonline.com

प्र.6 रहीमदास का पूरा नाम था – (1)

क. अब्दुर्रहीम खानखाना ख. रहीमदास

ग. करीमदास घ. कबीरदास

प्र.7 रामभक्ति की शाखा के प्रमुख कवि हैं– (1)

क. सूरदास ख. तुलसीदास ग. जायसी घ. कबीरदास

प्र.8 पृथ्वीराज रासो के रचनाकार हैं– (1)

क. चन्दवरदाई ख. शारंगधर ग. नरपतिनाल्ह घ. जगनिक

प्र.9 इकलीडरी हौं घन देखि के डरी हौं में कौन सा अलंकार है– (1)

क. श्लेष ख. यमक ग. उपमा घ. रूपक

प्र.10 'राम रमापति कर धन लेहु, खैंचहुं मिटै मोर सन्देहूं' में कौन सा छन्द है– (1)

क. दोहा ख. सोरठा ग. चौपाई घ. रोला

प्र.11 अमिय का तत्सम शब्द है– (1)

क. अमृत ख. सुधा ग. पीयूष घ. अमोल

प्र.12 'तेज' शब्द का विलोम शब्द है– (1)

क. निस्तेज ख. मन्द ग. तीव्र घ. तेजस्वी

प्र.13 गणेश के लम्बोदर, मूषवाहक आदि शब्द कहलाते हैं– (1)

क प्रत्यय ख. उपसर्ग ग. पर्यायवाची घ. विलोम

प्र.14 यथाशक्ति में कौन सा समास है– (1)

क. अव्ययीभाव ख. तत्पुरुष ग. द्विगु घ. द्वन्द्व

प्र.15 'भर पेट' में कौन सा समास है– (1)

क. कर्मधारय ख. चतुर्थी तत्पुरुष

ग. अव्ययी भाव घ. सप्तमी तत्पुरुष

प्र.16 नदीश का सन्धि विच्छेद है– (1)

क. नदी+ईश ख. नद्+ईश

ग. नदी+इश घ. नद्+इश

प्र.17 परोपकार शब्द में कौन सी सन्धि है– (1)

क. दीर्घ ख. गुण ग. यण् घ. वृद्धि

प्र.18 हरिणा शब्द किस विभक्ति और वचन का रूप है– (1)

क. तृतीया विभक्ति एकवचन ख. चतुर्थी विभक्ति एकवचन

ग. पंचमी विभक्ति एकवचन घ. षष्ठी विभक्ति एकवचन

प्र.19 'गम्' धातु लट्लकार उत्तम पुरुष एकचन का रूप है– (1)

क. गच्छसि ख. गच्छामि ग. गच्छति घ. गच्छन्ति

प्र.20 भू धातु लोट्लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप है– (1)

क. भव ख. भवानि ग. भवतु घ. भवन्तु

https://www.upboardonline.com

प्र.21 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

"भगवान बड़ा कारसाज है । उस बखत मेरी आँखों में आँसू निकल पड़े थे, पर उन्हें तनिक भी दया न आई थी । मैं तो उनके द्वार पर होता तो भी बात न पूछता।" तो न जाओगे ? हमने जो सुना था, सो कह दिया।

क. गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए । 2

ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

ग. यहाँ भगत की किस मनोभावना का चित्रण है ? 2

अथवा

धन्य हो, हे अगम अगोचर, अलख, अपारदेव, तुम्ही मेरी चिंता करो। जहां तक देखता हूं वहां तक जल में, थल में पृथ्वी में– 'सर्वत्र तुम्हारी ही लीला व्याप्त है। घट–घट में तुम्हारी ज्योति उद्भासित हो रही है।

क. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ग. घट–घट का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्र.22 निम्नांकित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं।
सब अंधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या मांहि।।
यहु ऐसा संसार है जैसा सेंबल फूल।
दिन दस के व्यौहार कौ झूठै रंग न भूलि।।

क. उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए। (2)

ख. मैं शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए। (2)

ग. यह संसार किसके समान है। (2)

अथवा

टूटे सुजन मनाइए, जौ टूटै सौ बार।
रहिमन फिरि–फिरि पोइये, टूटे मुक्ताहार।।
जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं, लिपटे रहत भुजंग।।

क. उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

ख. सुजन शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

ग. किस प्रकृति के व्यक्ति की संगति करनी चाहिए।

प्र.23 निम्नलिखित गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

परमहंसस्य रामकृष्णस्य जीवन चरितं धर्माचरणस्य प्रायोगिकं विवरणं विद्यते। तस्य जीवनम् अस्मभ्यम् ईश्वर दर्शनाय शक्तिं प्रददाति । तस्य वचनानि न

https://www.upboardonline.com

केवलं कस्यचित नीरसानि ज्ञान वचनानि अपितु तस्य जीवन ग्रन्थस्य पृष्ठानि एव। (4)

प्र.24 निम्नलिखित पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– (4)

'मनीषिणः सन्ति न ते हितैषिणः।
हितैषिणः सन्ति न तो मनीषिणः।
सदृच्च विद्वानपि दुर्लभो नृणाम्।
यथौषधं स्वाद हिंत च दुर्लभम्।।

प्र.25 दीपदान एकांकी के आधार पर पन्नाधाय का चरित्र चित्रण लिखिए। (5)

अथवा

नये मेहमान एकांकी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

प्र.26 निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय लिखिए। (4)

महादेवी वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्रेमचन्द

प्र.27 निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय लिखिए। (4)

कबीरदास, मीराबाई, रहीम

प्र.28 अपने पाठ्य पुस्तक का कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। (4)

प्र.29 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– (4)

क. **रामस्य के विशिष्टा** गुणाः आसन्?

ख. **कः तमो हन्ति** ?

ग. **ईश्वरस्य के नेत्रे स्तः** ?

घ. **ईश्वरः कीदृशः** अस्ति?

प्र.30 **निम्नलिखित वाक्यों** में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। (4)

क. **वह पत्र पढ़ता** है।

ख. **पेड़ से पत्ते** गिरते हैं।

ग. **तुम किताब** पढ़ते हो।

घ. **श्याम** भिखारी को धन देता **है**।

प्र.31 छात्र वृत्ति प्राप्त करने के लिए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए। (5)

अथवा

अपने विद्यालय **के प्रधानाचार्य** को **एक दिन** के अवकाश के लिए प्रार्थना–पत्र **लिखिए।**

https://www.upboardonline.com